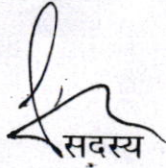


| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर |
|------------------|---|--|
| 31-10-17 | <p>पूर्व पेशी पर आवेदक के अभिभाषक ने 7 दिवस में लेखी बहस प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया था, किन्तु लेखी बहस अप्राप्त है। अनावेदक के अभिभाषक ने प्रकरण में पैरबी न करने की इच्छा जताई है, किन्तु न्यायदान की दृष्टि से प्रकरण का निराकरण गुणदोष के आधार पर किया जा रहा है।</p> <p>2/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि तहसील न्यायालय में रास्ते के विवाद को लेकर प्रकरण चला है जिसमें अनावेदक द्वारा तहसील में दायर कराया गया प्रकरण क्रमांक 2/अ-13/05-06 आदेश दिनांक 10-9-10 से निरस्त किया गया है जिसकी अपील क्रमांक 4/2010-11 अनुविभागीय अधिकारी विदिशा के समक्ष होने पर आदेश दिनांक 28-7-11 से तहसीलदार का आदेश निरस्त कर पुनः जांच एवं सुनवाई हेतु प्रकरण प्रत्यावर्तित किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी के इस आदेश को अपर आयुक्त, भोपाल संभाग भोपाल ने प्रकरण क्रमांक 534/2010-11 अपील में पारित आदेश दिनांक 21-1-15 से यथावत् रखा है। तीनों अधीनस्थ न्यायालयों के आदेशों के अवलोकन से स्थिति यह है कि अनुविभागीय अधिकारी विदिशा के आदेश दिनांक 28-7-11 से पुर्नजांच एवं सुनवाई हेतु प्रत्यावर्तन स्वरूप दोनों पक्षों को पक्ष प्रस्तुत करने एवं बचाव प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त है जिसके कारण अनुविभागीय अधिकारी एवं अपर आयुक्त के आदेश में हस्तक्षेप उचित नहीं है। फलतः निगरानी सारहीन होने से निरस्त की जाती है।</p> |  <p>सदस्य</p> |